मूल्य एवं गुणवत्ता दिवसोत्सव 1
फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम 1
महात्मा गाँधी : 151वीं जयंती 2
शीत कालीन शिविर महापर्व 3
डी०ई०आई० लिट्रेरी क्लब 5
सेल्फ हेल्थ केयर एंड योगा 6
शिक्षा में नाटक का एकीकरण 6
कृत्रिम बुद्धि के आधारभूत सिद्धान्त एवं शिक्षा में प्रयोग 7
वाणिज्य संकाय 7
समाज विज्ञान संकाय 7
टेक्निकल कॉलेज 8
प्रेम विद्यालय 8

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

अक्टूबर–दिसम्बर 2020
अंक 20

मूल्य एवं गुणवत्ता दिवसोत्सव

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, अखिल भारतीय एवं वैश्विक अध्ययन केन्द्रों (इंस्टीट्यूट के केन्द्र) द्वारा सातवाँ मूल्य एवं गुणवत्ता दिवस 14 नवम्बर, 2020 को पूरे हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन डी.ई.आई. अंतर्राष्ट्रीय सभागार में किया गया। सीधा प्रसारण आभासी एवं पर्यवेक्षित रूप से ज़ूम द्वारा जुड़कर किया गया, उसके साथ ही दयालबाग़ मल्टीमीडिया लैब के द्वारा यू–ट्यूब लिंक से सभी केन्द्रों पर भी प्रसारित किया गया।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर टेरेंस लोवेट, एमेरिटस प्रोफेसर–न्यू कैसल विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने मूल्य एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण पर आधारित व्याख्यान प्रस्तुत किया। जिससे छात्रों में मानवीय मूल्य, उत्तम आचार–विचार, सहनशीलता, सामाजिक संवेदनशीलता आदि क्षमताओं का सहज एवं प्राकृतिक रूप से विकास किया जा सके ।

आशु भाषण, कविता पाठ और भक्ति संगीत की अंतिम मुख्य प्रतियोगिता भी इसी दिन आयोजित की गई। प्रतियोगिता में जहां तकनीकी कॉलेज, प्रेम विद्यालय और आर.ई.आई. इंटरमीडिएट कॉलेज एवं डी.ई.आई. विभिन्न संकायों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं द्वारा विशेष प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं।

मूल्य और गुणवत्ता दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं की सूची इस प्रकार है–

आशु भाषण हिंदी–1. श्रेया वर्मा–अभियांत्रिकी संकाय, 2. प्रशंसा यादव–सामाजिक विज्ञान, 3. मनीष माहेश्वरी–टेक्निकल कॉलेज। **आशु भाषण अंग्रेजी**–1. दृष्टि गोयल–अभियांत्रिकी संकाय, 2. गौरव सभानी–विज्ञान, 3. आशिमा जौहरी–वाणिज्य। **कविता पाठ–हिंदी**–1. सूरत भूषण, प्रेम विद्यालय, 2. अमी सत्संगी, आर.ई.आई., 3. महिमा कुमारी, प्रेम विद्यालय, **कविता पाठ अंग्रेजी**–1. व्योम जांगिड़, आर.ई.आई., 2. दयादृष्टि मल्होत्रा, प्रेम विद्यालय, 3. बिंती सत्संगी, प्रेम विद्यालय, 4. उमंग मनोचा, प्रेम विद्यालय। **भक्ति संगीत**–1. दरश अधारी– कला संकाय, 2. अमोला सत्संगी–वाणिज्य संकाय, 3. डी. अभिलाषा–विज्ञान संकाय, 4. निज मेहर ग्रोवर–अभियांत्रिकी

फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के चित्रकला विभाग में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् एवं ए.आई.सी.टी.ई. अटल अकादमी द्वारा प्रायोजित दो फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित किये गये। यह प्रथम अवसर था कि ए.आई.सी.टी.ई. अटल अकादमी ने आर्ट्स एंड क्राफ्ट के क्षेत्र में किसी फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम को प्रायोजित किया था और डी.ई.आई. को ऐसे दो कार्यक्रमों के आयोजन का शुभ अवसर प्राप्त हुआ।

डॉ. नमिता त्यागी 6–10 अक्टूबर 2020 तक चलने वाले प्रथम पांच दिवसीय कार्यक्रम एफ.डी.पी. ऑन म्यूरल की समन्वयक थीं। इस कार्यक्रम में वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान से डॉक्टर किरण शर्मा, हिमाचल प्रदेश, विश्वविद्यालय शिमला से प्रोफेसर हिम चटर्जी, सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स मुंबई से प्रोफेसर विजय सकपाल और डी.ई.आई. आगरा से प्रोफेसर रागिनी रॉय, सभी विषय विशेषज्ञों ने म्यूरल विधा की परंपरागत एवं नवीन तकनीकों के प्रत्येक पक्ष को व्यावहारिक रूप से

प्रदर्शित किया और समझाया। इस कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से लगभग 80 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

द्वितीय पांच दिवसीय एफ.डी.पी. ऑन पेंटिंग का आयोजन 27 से 31 अक्टूबर 2020 तक किया गया, जिसकी समन्वयक डॉ. सोनिका थीं । इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. सरोज भार्गव–भूतपूर्व निदेशक–ललित कला संस्थान, आगरा, डॉ. शिवेन्द्र सिंह (सेवानिवृत्त, डी.ई.आई.), डॉ. रेखा कक्कड़ (सेवानिवृत्त, बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय आगरा) और डॉ. अल्का चड्ढा बेंगलुरु ने पेंटिंग विषय पर प्रायोगिक एवं सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से लगभग 155 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रागिनी रॉय, श्री अमित कुमार जौहरी, श्रीमती नीलम श्रीवास्तव एवं मल्टीमीडिया टीम के सदस्यों के सक्रिय सहयोग से दोनों कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए।

महात्मा गाँधी : 151वीं जयंती

महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की ओर से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। 31 अगस्त को 'महात्मा गांधी की वैश्विक प्रासंगिकता' विषय पर विश्व हिंदी सचिवालय मॉरिशस के सेक्रेटरी जनरल प्रो. विनोद कुमार शुक्ल ने व्याख्यान दिया। व्याख्यान में गाँधी जी के अहिंसा सिद्धांत के परिप्रेक्ष्य में गाँधी की वैश्विक प्रासंगिकता पर विचार किया गया।

1 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्लासिकल स्टडीज़– रिसर्च डिवीज़न के संयुक्त तत्वावधान में 'महात्मा गांधी : मूल्य एवं जीवन दर्शन' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता डॉ. बी. आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति प्रो. अशोक मित्तल ने की। मुख्य व्याख्यान प्रयागराज विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान प्रो. राजेन हर्षे ने दिया। अतिथियों का स्वागत दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. पी.के. कालड़ा ने किया।

प्रो. राजेन हर्षे ने अपने व्याख्यान में गांधी के विचार और व्यवहार की समानता के जीवन दर्शन को उद्घाटित करते हुए उनके अहिंसा के सिद्धान्त को आज के वैश्विक संदर्भ में विश्लेषित किया। उन्होंने गांधी की प्रासंगिकता और उनके नैतिक मूल्यों की ज़रूरत पर अपना व्याख्यान केन्द्रित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. अशोक मित्तल ने गांधी के ग्राम स्वराज और उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को रेखांकित करते हुए आज के संदर्भ में उसकी अनिवार्यता पर बल दिया।

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. पी. के. कालड़ा ने वेबिनार को संबोधित करते हुए गांधी के अहिंसा और ग्राम्य आत्मनिर्भरता के सिद्धान्त को प्रमुखता देते हुए उनके शरीर, मस्तिष्क और आत्मा की एकता एवं ज्ञान की अवधारणा से सबका परिचय कराया। उन्होंने बताया कि दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की नीतियाँ गांधी के विचार को किस तरह अंगीकार करती हैं।

एन.एस.एस. के समन्वयक डॉ. सौरभ मणि ने कार्यक्रम में दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में एन.एस.एस. की गतिविधियों का ब्यौरा देते हुए यह कहा कि गांधी के विचारों का क्रियान्वयन एन.एस.एस. के माध्यम से हो रहा है। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. जे.के. वर्मा एवं प्रो. स्वामी प्यारा सत्संगी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रेमशंकर एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ बृजराज कुमार सिंह ने किया।

दिनाँक 2 अक्टूबर **'गाँधी–आज के संदर्भ में'** विषय पर आयोजित कार्यक्रम का भव्य शुभारम्भ एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा दी गयी सैनिक सलामी और परेड से हुआ जिनमें संस्थान के विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। उसके पश्चात सुपरमैन क्रमिक विकास योजना के सदस्यों द्वारा शारीरिक अभ्यास और सामुदायिक समूह द्वारा शारीरिक स्वास्थ्य सेवा प्रतिरक्षा अभ्यास का प्रदर्शन किया गया। संस्थान की प्रार्थना तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के गीत 'उठो समाज के लिए' का गायन संस्थान के संगीत विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महात्मा गाँधी के दो प्रिय भजनों 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' और 'रघुपति राघव राजाराम' का भी गायन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हरिओम, आई.ए.एस. (सचिव, सामान्य प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार) और विशिष्ट अतिथि श्री सुनील वाजपेयी (आयकर आयुक्त, आगरा) थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. हरिओम ने कहा कि गाँधी दर्शन आज की वैश्विक और राष्ट्रीय समस्याओं के संदर्भ में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। आज पर्यावरण संकट जिस तरह से हमारे सामने है उससे संयम और संतुलन का गाँधीवादी संदेश ही हमें बाहर निकाल सकता है। दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के शिक्षा संबंधी प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य यही होना चाहिए कि वह सर्व सुलभ हो।

विशिष्ट अतिथि श्री सुनील वाजपेयी ने कहा कि गाँधी जयंती का यह आयोजन अवसर की भव्यता के अनुरूप है और गाँधीवादी विचार दर्शन के पवित्र आलोक में ऐसे आयोजन ज़रूरी हैं।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत और विषय प्रवर्त्तन डॉ. प्रेम शंकर सिंह द्वारा किया गया। संस्थान के अकादमिक क्रियाकलापों से अतिथियों का परिचय प्रो. सी पटवर्धन और प्रो. के.एस. दया द्वारा कराया गया। सामाजिक विज्ञान संकाय की डॉ अंजू शर्मा और मोनिका तिवारी द्वारा गांधी दर्शन के विभिन्न आयामों पर विचार प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समग्र संयोजन प्रो. अजय सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. पी. के. कालड़ा, कुलसचिव प्रो. आनंद मोहन, कोषाध्यक्ष स्नेह बिजलानी, डॉ. उर्मिला कालड़ा, प्रो. जे. के. वर्मा, प्रो. स्वामी प्यारा सत्संगी, प्रो. पूर्णिमा जैन सहित विभिन्न संकाय प्रमुखों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में संस्थान के वोकेशनल पाठ्यक्रमों के उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। पूरे आयोजन को सायं कालीन खेतसेवा के दौरान परम गुरू हुज़ूर प्रो. पी. एस. सत्संगी साहब का स्नेह और आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ।

शीतकालीन शिविर महापर्व 2020

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में शीतकालीन शिविर का शुभारंभ 20 दिसंबर को किया गया जो कि 31 दिसंबर 2020 तक चला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री निखिल टी. फुंडे, नगर आयुक्त आगरा थे । उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज सेवा ही सर्वोपरि है और उसमें सभी को अपना योगदान देना चाहिए तभी राष्ट्र निर्माण संभव है। विभिन्न वर्गों के छात्र–छात्राओं के लिए इस वर्ष सामूहिक रूप में शीतकालीन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें शीतकालीन प्रशिक्षण शिविर, एन.एस.एस. कैंप, उन्नत भारत अभियान एवं स्काउट एंड गाइड कैंप समाहित थे। चारों ही शिविरों का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं को समाज सेवा, सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिए सकारात्मक कार्य करने के लिए प्रेरित करना और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपने शीतकालीन अवकाश का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इन सभी गतिविधियों में कोविड–19 के लिए निर्धारित निर्देशों का पालन किया गया।

शीतकालीन शिविर का उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों के द्वारा छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करना, छात्रों में मौजूद कलात्मक प्रतिभा को सामने लाने का अवसर प्रदान करना और उनमें आत्मविश्वास पैदा करना था। इसमें स्मरण तकनीक, अंग्रेजी बोलना, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, खगोल विज्ञान, ब्लॉक प्रिंटिंग, मूर्तिकला, पेपर क्राफ्ट एंड हैंडीक्राफ्ट, सॉफ्ट टॉयज़, मैन्युफैक्चरिंग, ड्राइंग एंड पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, मेहंदी, कम्प्यूटर बेसिक्स, कुकिंग एंड बेकिंग स्किल्स, फायर लेस कुकिंग, फंडामेंटल ऑफ म्यूज़िक लाइव वोकल, भजन, देशभक्ति गीत जैसी गतिविधियां विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा आयोजित की गईं। इसके अलावा बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, खो–खो, शतरंज आदि खेलों का आयोजन किया गया। मार्शल आर्ट्स सेल्फ डिफेंस सीखने में रुचि रखने वाले छात्रों को विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

एन.एस.एस. शिविर

एन.एस.एस. शिविर के अंतर्गत किचन गार्डन, सिग्मा सिक्स क्यू (शिक्षा, मूल्य आधारित शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, टिकाऊ कृषि, वर्मी कंपोस्टिंग वायु और जल गुणवत्ता निगरानी एवं प्रबंधन)। जागरूकता गतिविधियां, स्वास्थ्य और स्वच्छता (फेस मास्क मेकिंग, सैनिटाइजर मेकिंग, साबुन मेकिंग, कोविड–19 जागरूकता, पोस्ट कोविड–19 सावधानियां और आजीविका प्राथमिक चिकित्सा) महिला सशक्तिकरण और उत्थान, लैंगिक समानता के लिए जागरूकता, सिलाई, खिलौने बनाना, अपशिष्ट प्रबंधन और सुरक्षा उपाय सड़क सुरक्षा आदि जन सामान्य को सिखाए गए।

उन्नत भारत अभियान

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत ग्रामीण समुदाय के उत्थान और प्रशिक्षण के लिए सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूक करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वैज्ञानिक कृषि, हैंगर मेकिंग, साबुन बनाने, सैनिटाइजर तैयार करने, फेस मास्क मेकिंग, पशु कचरे की खाद बनाने और भ्रष्टाचार उन्मूलन आदि के बारे में बताया गया ।

स्काउटिंग एवं गाइडिंग कैंप

पांच दिवसीय स्काउटिंग एवं गाइडिंग कैंप का आयोजन भी 21 दिसम्बर से 25 दिसंबर तक हुआ। कैंप के पहले दिन का प्रारम्भ प्रार्थना से हुआ। कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी ने झंडारोहण के बाद स्काउट्स व गाइड्स को आशीर्वचन प्रदान किया। शिविर समन्वयक डॉ. आरती सिंह द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्रो. अर्चना कपूर डीन, शिक्षा संकाय के द्वारा मुख्य वक्ता प्रो. सरूप आर. माथुर, एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी का परिचय दिया गया। प्रो. सरूप आर. माथुर ने अपने व्याख्यान 'स्काउट, गाइड एंड टीचर्स' में विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच रखने का परामर्श दिया साथ ही समय के साथ चलने का मूलमंत्र प्रदान किया। विभागाध्यक्ष प्रो. नंदिता सत्संगी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रत्येक दिन विद्यार्थियों के दो अलग–अलग समूहों के द्वारा हाइकिंग में भाग लिया गया। कैंप में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर, डी.एल.एड. तृतीय सेमेस्टर और पी.एस.टी.ई. के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शीतकालीन शिविर 2020 का समापन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री मीनाक्षी शर्मा, डायरेक्टर जनरल, टूरिज़्म, भारत सरकार ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कैंप से ही विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और उनमें मिलकर काम करने की प्रवृत्ति उत्पन्न होती है ।

कार्यक्रम का शुभारंभ एन.एस.एस. के लक्ष्य गीत '**उठें समाज के लिए उठें उठें उठें** ....'से किया गया इसके पश्चात्

राष्ट्रीय सेवा योजना कैंप, उन्नत भारत अभियान, स्काउट एंड गाइड कैंप एवं शीतकालीन शिविर की रिपोर्ट कैंप समन्वयक एवं डीन स्टूडेंट अफेयर्स प्रोफेसर के शांति स्वरूप ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर प्रेम विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज की कक्षा आठ की छात्राओं स्नेहा दंतु और दया सत्संगी ने विंटर कैंप के अनुभव साझा किए। स्काउट एंड गाइड कैंप के अनुभव करकीरत कौर शिक्षा संकाय ने तथा उन्नत भारत अभियान और एनएसएस कैंप के अनुभव समाज विज्ञान संकाय से प्रेक्षा जेठनानी और अनुष्का लवानिया ने दर्शकों एवं श्रोताओं के साथ साझा किए। संस्थान के कुलसचिव प्रोफेसर आनंद मोहन ने सभी छात्रों को आशीर्वचन प्रदान किया। धन्यवाद ज्ञापन एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी एवं समन्वयक समिति सदस्य डॉ रंजीत कुमार द्वारा दिया गया। संचालन एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निशीथ गौड़ ने किया ।

मुख्य अतिथि छात्र–छात्राओं द्वारा निर्मित प्रदर्शनी देखकर अभिभूत हुईं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रेम कुमार कालड़ा, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, सांस्कृतिक समन्वयक प्रो. डी.जी. राव, प्रो. शर्मिला सक्सेना, प्रो. कमलजीत संधू, प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. सोना आहूजा, डॉ. अशोक जांगिड़, डॉ. बृजराज सिंह उपस्थित थे।

डी०ई०आई० लिट्रेरी क्लब

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीटयूट के छात्र–छात्राओं द्वारा संचालित '**डी.ई.आई. लिट्रेरी क्लब**' साहित्य एवं रचनात्मकता को समर्पित एक समूह है, जो निरंतर कुछ सीखने, करने एवं नवाचार को उत्सुक रहता है। इस क्लब के द्वारा समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। लॉकडाउन के समय लगातार कई कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किये गये, जिससे विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य समृद्ध करने में बड़ी मदद मिली। इसमें कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के साथ–साथ विज्ञान और अभियांत्रिकी संकाय के विद्यार्थियों ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है। इस मंच के द्वारा विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का उचित अवसर प्राप्त होता है।

31 जुलाई को कथा सम्राट प्रेमचंद के जन्मदिन पर '**प्रेमचंद–एक युग स्रष्टा**' नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० राजेन्द्र कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर संस्थान के अन्य अध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

क्लब के द्वारा 2 अगस्त 2020 को '**कविरूप**' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने हिन्दी के श्रेष्ठतम कवियों के अन्दाज़ में ही उनकी कविताओं का पुनर्पाठ किया। इसमें लगभग 15 कवियों की कविताओं का पाठ किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और काव्यपाठ आयोजित किया गया। जिसमें डॉ० अरुण प्रताप सिकरवार (विज्ञान संकाय), डॉ. बृजराज सिंह (कला संकाय) एवं डॉ० प्रेमशंकर सिंह (कला संकाय) का सान्निध्य रहा। 30 अगस्त को शब्द झंकार कार्यक्रम में दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के अलावा वर्धा हिंदी विश्वविद्यालय एवं गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी भाग लिया और अपनी कविताओं का पाठ किया।

हिन्दी दिवस 14 सितम्बर के अवसर पर '**नंदन हिन्दी**'

कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. उमाकांत चौबे (एसोसिएट प्रोफेसर, आगरा कॉलेज) ने हिंदी की वर्तमान स्थिति पर व्याख्यान दिया। क्लब की नियमित गतिविधि के अंतर्गत प्रत्येक रविवार को क्लब के सदस्यों द्वारा नियमित रूप से किसी एक कवि की कविताओं का पाठ किया जाता है। यह पूर्ण रूप से विद्यार्थियों द्वारा निर्मित एवं संचालित समूह है।

अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला "सेल्फ हेल्थ केयर एंड योगा"

शिक्षा संकाय, स्कूल ऑफ एजुकेशन के सेंटर फॉर नॉलेज एक्वीजीशन, रिटेंशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग़ आगरा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड ट्रेनिंग मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना के अंतर्गत दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला 'सेल्फ हेल्थ केयर एंड योगा' का आयोजन 20–21 अक्टूबर 2020 को किया गया।

प्रथम सत्र में मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया की विशेषज्ञ डॉ. मेधावी वर्मा ने 'फेलडेनक्राईस वॉयस ऑफ हीलिंग योर फिज़िकल एज़ वेल एज़ इमोशनल वेल बीइंग' पर अपना व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में डॉ. पूनम सिंह, जनरल सेक्रेटरी ऑफ योग मंथन, दिल्ली ने प्रतिभागियों को योग करने और तनाव मुक्त रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ''योग के माध्यम से तनाव प्रबंधन और कक्षा प्रबंधन'' पर अपनी बात रखी। दूसरे दिन, श्री राजेश अग्रवाल, योगाचार्य, आईओसी, मथुरा ने 'हस्त मुद्राएँ एवं योग द्वारा त्वरित उपचार' पर अपनी प्रस्तुति दी। अंतिम सत्र में योग प्रशिक्षक डॉ. वाई. आर. शर्मा ने वर्तमान सामाजिक परिवेश में 'उत्तम स्वास्थ्य एक चुनौती नेचुरोपैथी एवं योगा ही एकमात्र इलाज' पर अपने विचार रखे। सभी विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को योग के अभ्यास में संलग्न भी किया।

कार्यशाला में बांग्लादेश, सऊदी अरब, पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव, ऑस्ट्रेलिया और भारत सहित विभिन्न देशों के 256 व्यक्तियों ने भाग लिया। प्रो. अर्चना कपूर, शिक्षा संकाय प्रमुख ने विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. नंदिता सत्संगी, समन्वयक, स्कूल ऑफ एजुकेशन ने प्रतिभागियों को डी.ई.आई. और स्कूल ऑफ एजुकेशन का एक संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. कल्पना गुप्ता, कार्यशाला संचालक ने कार्यशाला के विषय के बारे में बताया। संयोजक श्री बजरंग भूषण ने सत्र का संचालन किया । प्रो. एनपीएस चंदेल ने सभी को इस सफल आयोजन एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

शिक्षा में नाटक का एकीकरण

शिक्षा संकाय, स्कूल ऑफ एजुकेशन, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, दयालबाग़, आगरा द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड ट्रेनिंग मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना के अंतर्गत दो दिवसीय 'इंटीग्रेटिंग ड्रामा इन टीचिंग लर्निंग' नामक ऑनलाइन कार्यशाला का 29 से 30 नवंबर 2020 को आयोजन किया गया।

कार्यशाला के प्रथम दिवस प्रख्यात अभिनेता श्री डिम्पी मिश्रा ने शिक्षकों को कक्षा शिक्षण में उपयोग में आने वाले थिएटर सम्बन्धी तकनीकी प्रशिक्षण दिया। उन्होंने उच्चारण, प्रोजेक्शन, लयबद्ध वाचन आदि के महत्त्व को समझाते हुए कहा की टोनल क्वालिटी शिक्षक के व्यक्तित्व का प्रमुख अंग है।

द्वितीय सत्र में उन्होंने कहा कि प्रत्येक पाठ को थॉट प्लांट कॉन्फ्लिक्ट और रेज़ोल्युशन के आधार पर निर्मित किया जाना चाहिए जिससे छात्रों में विषय के प्रति जागरूकता तथा चेतना विकसित की जा सके। उन्होंने सेंसरी मेमोरी तथा अफेक्टिव मेमोरी को प्रभावित करने हेतु ड्रामा की भूमिका को समझाया और इसके प्रभाव से होने वाले परिवर्तनों पर बल दिया।

तृतीय सत्र में प्रतिभागियों ने कक्षा में ड्रामा को विभिन्न विषयों का रोचक प्रदर्शन किया। श्री डिम्पी मिश्रा ने कहा कि कक्षा में नवीनता लाने के लिए टीचर्स को सामाजिक सापेक्षता पर ध्यान देना चाहिए। चौथे सत्र में विशेषज्ञ के रूप में श्री पुरुषोत्तम मयूरा, नृत्य विशेषज्ञ ने कक्षा में भाव भंगिता और सांकेतिक भाषा के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया।

प्रो. अर्चना कपूर, डीन, शिक्षा संकाय ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह व जोश की सराहना की। प्रो. नंदिता सत्संगी, समन्वयक, स्कूल ऑफ एजुकेशन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ. सोना दीक्षित, कार्यशाला संयोजक ने कार्यशाला का संचालन किया। कार्यशाला में लगभग 250 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सहभागिता की।

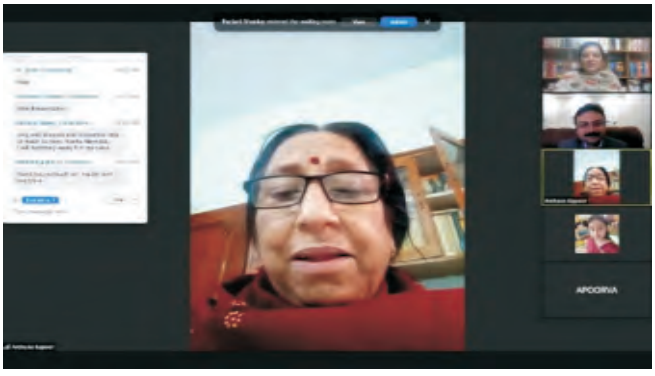

कृत्रिम बुद्धि के आधारभूत सिद्धान्त एवं शिक्षा में प्रयोग

(फंडामेंटल्स ऑफ आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस एंड इट्स एप्लिकेशन्स इन एजुकेशन)

28 दिसंबर 2020 पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग, एम.ओ.ई., गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के अंतर्गत सेंटर फॉर आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस, स्कूल ऑफ एजुकेशन दयालबाग़ शिक्षण संस्थान द्वारा फंडामेंटल ऑफ आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और शिक्षा में इसके अनुप्रयोग पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। 28 दिसंबर 2020 को कुल 375 प्रतिभागी (शिक्षक, प्रशिक्षक, विश्वविद्यालय शिक्षक, इन–सर्विस शिक्षक, शोधार्थी) भारत के विभिन्न राज्यों और विदेशों से इस कार्यशाला में शामिल हुए।

प्रथम सत्र में, प्रोफेसर सी. पटवर्धन, प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, दयालबाग़ शैक्षिक संस्थान ने कृत्रिम बुद्धि की अवधारणा और शिक्षा में इसके उपयोग की व्याख्या की। कृत्रिम बुद्धि आधारित उपकरण शिक्षण को प्रभावी बनाने में कैसे मदद कर सकते हैं, इस विषय पर उन्होंने विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कृत्रिम बुद्धि की अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए वास्तविक जीवन से सम्बंधित उदाहरण प्रस्तुत किये। इस सत्र का प्रतिभागियों की जिज्ञासा और प्रश्नों के स्पष्टीकरण के साथ प्रथम सत्र समाप्त किया गया।

दूसरा सत्र प्रो. एन. के. मिश्रा, एच.ओ.डी., हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड कम्प्यूटर स्टडीज़, फरह, मथुरा के द्वारा सम्बोधित किया गया। उन्होंने शिक्षा में कृत्रिम बुद्धि के अनुप्रयोगों के बारे में बात की। उन्होंने विभिन्न कृत्रिम बुद्धि आधारित उपकरण प्रस्तुत किए जिनका उपयोग शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में किया जा सकता है।

तीसरे सत्र को प्रो.एन.के. मिश्रा द्वारा इसी विषय पर जारी रखा गया और उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमता आधारित उपकरणों के उपयोग की प्रक्रिया पर चर्चा की। सत्र का समापन प्रतिभागियों के साथ पूछताछ और जवाब देने से हुआ। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने कार्यशाला के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का संचालन डॉ. नीतू सिंह (सहायक प्रोफेसर, पेडागॉजिकल साइंसेज विभाग) और डॉ. नेहा जैन (सहायक प्रोफेसर, पेडागॉजिकल साइंसेज विभाग) द्वारा किया गया था।

वाणिज्य संकाय

प्रो. शालिनी दुबे को वाणिज्य संकाय जी एल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, ग्रेटर नोएडा द्वारा 2 जुलाई 2020 को लाइव वेबिनार विषय 'सामाजिक उद्यमिता' पर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, साथ ही उन्हें 7 अक्टूबर, 2020 को समन बर्ड सेंचुरी मैनपुरी यू.पी. में आयोजित 'वन संरक्षण सप्ताह' में भी मुख्य वक्ता के रूप में भारत के वन संरक्षण विभाग द्वारा आमंत्रित किया गया।

स्वामी प्रसाद सक्सेना और वसुधा गुप्ता द्वारा लिखित शोध पत्र 'ट्रेड मिसिनवोइसिंग एंड कैपिटल फ्लाइट ए स्टडी ऑन मैग्निट्यूड एंड ड्राइवर्स इन इंडिया',आई.ए.एस.एस.आई. त्रैमासिक कॉन्ट्रिब्यूशन टू इंडियन सोशल साइंसेज आई.एस.एस. एन.– 0970–9061,खंड–39, नंबर 4, अक्टूबर दिसंबर 2020, पृष्ठ 533–543 में प्रकाशित हुआ। एक अन्य शोध पत्र 'रियल इंडियन एक्सचेंज रेट्स एंड इंडियाज एक्सपोर्ट टू यूनाइटेड स्टेट्स' (वास्तविक विनिमय दरें और भारत के संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्यात एआरडीएल दृष्टिकोण का एक अनुप्रयोग), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च एंड थॉट पीयर रिव्यूड्ड रेफरीड जर्नल (आई.एस.एस.एन– 2320– 2882), खंड 8 अंक 9, सितंबर, पृष्ठ 3036–3048 में प्रकाशित हुआ।

स्वामी प्रसाद सक्सेना और आकांक्षा सिंह द्वारा लिखित शोध पत्र ' कनेक्शन बिटवीन सेविंग इन्वेस्टमेंट एंड इकनोमिक ग्रोथ ऑफ इंडिया' (भारत की बचत, निवेश और आर्थिक विकास के बीच संबंध), शोलेड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिज़नेस पॉलिसी एंड गवर्नेंस, पीयर रिव्यूड्ड रेफरीड जर्नल– आई.एस.एस.एन 2394–3–31,खंड 7, अंक 4, पृष्ठ 63–69, डीओआई 10.19085 एस.आई.जे.बी.पीजी 070401 में प्रकाशित हुआ।

स्वामी प्रसाद सक्सेना और ईशान शंकर का शोध पत्र डिटरमिनेन्स ऑफ एक्सटर्नल डेब्ट इन इंडिया बिज़नेस एनालिस्ट ए रेफरीड जर्नल ऑफ एसआरसीसी आई.एस.एस. एन 0973–211 एक्स, खंड 41, नंबर 1, जनवरी–जून, पृष्ठ 81–94 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. रचना गुप्ता, वाणिज्य संकाय ने एन.आई.टी. पटना द्वारा 23–27 नवंबर, 2020 को आयोजित 5 दिन की एफ. डी. पी. यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज (DEEKSHARAMBH) (छात्र प्रेरणा कार्यक्रम) में भाग लिया है।

समाज विज्ञान संकाय

समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग ने स्टेट क्राफ्ट, बेंगलुरु के संयोजन में दिनांक 17 अगस्त 2020 को 'डाटा एनालिसिस यूजिंग स्टेटक्राफ्ट' विषय पर सर्टिफिकेट कार्यक्रम का आयोजन किया।

अर्थ शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. स्वामी प्रकाश श्रीवास्तव को 'मोस्ट एमबीशिअस रिसर्चर्स अवार्ड ऑफ द ईयर 2020' (वर्ष 2020 का महत्त्वाकांक्षी अनुसंधानकर्ता पुरस्कार) आई. एस. एस. एन इंटरनेशनल रिसर्च एंड सिग्नेचर अवार्ड 2020, द्वारा प्रदान किया गया ।

समाज विज्ञान संकाय के अर्थ शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार में माननीया डॉ. आशिता अलामराजू एसोसिएट प्रोफेसर बैनेट यूनिवर्सिटी ने 'पावर्टी कांसेप्ट एंड ट्रेन्ड्स' विषय पर 31 अगस्त 2020 को व्याख्यान दिया।

टेक्निकल कॉलेज

श्री मयंक अग्रवाल ने मेटालर्जी (धातुकर्म) विभाग, आई.आई.टी. इंदौर द्वारा आयोजित, एडवांसिस इन फटिग, क्रीप, फ्रैक्चर एंड फेलियोर एनालायसिस ऑफ मटीरियल्स तथा यांत्रिक विभाग, आई.आई.टी. इंदौर द्वारा आयोजित 'एडवांस मैन्युफैक्चरिंग एंड मटीरियल्स' पर क्रमशः 07–11 दिसंबर 2020 एवं 18 से 20 दिसंबर 2020 तक अल्पावधि पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

श्री ऋषभ सिंघल ने क्वांटम विंटर हैकथॉन 2020 में प्रथम स्थान हासिल किया। यह विश्व की पहली ज्ञान श्रृंखला और हैकथॉन है, जो मल्टीफोनिक्स सिचुएशंस पर क्वांटम कम्प्यूटिंग का उपयोग करके बोसोनक्यू साई प्राइवेट द्वारा आयोजित की गई है। आयोजनकर्ता क्वांटम कम्प्यूटिंग इंडिया, कम्प्यूटेशनल

फ्लूड डायनामिक्स के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी, आई. एस. सी. एफ. डी. और आई. बी. एम. क्विसकिट थे।

प्रेम विद्यालय

दिनांक 10 जून, 2020 को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ द्वारा आयोजित प्रादेशिक शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता ख्याल तराना बाल वर्ग के अंतर्गत डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय की नवीं कक्षा की छात्रा आशना सूरी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

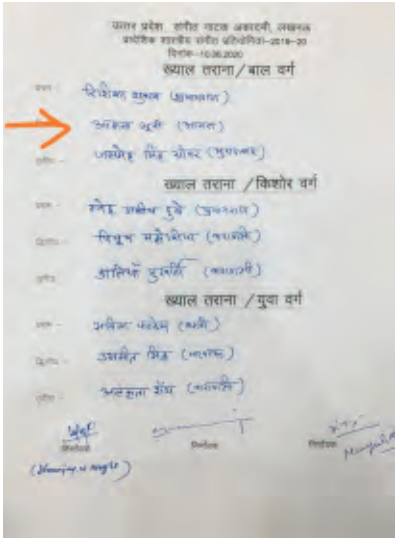

नेशनल पेन मेन चैंपियनशिप 2020 के अंतर्गत साधारण हिंदी और अंग्रेजी लेखन कैटेगरी में डी.ई.आई प्रेम विद्यालय की नवीं कक्षा की छात्रा तमन्ना सत्संगी ने क्रमशः हिन्दी में तृतीय और अंग्रेजी में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक : • प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक : • प्रो. जे.के. वर्मा
सम्पादक : • डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक : • डॉ. निशीथ गौड़
• डॉ. सूरज प्रकाश बड़त्या
सम्पादन सहयोग : • डॉ. कविता रायजादा
• श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक :
• श्री अतुल सूरी
• डॉ. रचना गुप्ता
• डॉ. बीरपाल सिंह ठेनुआ
• श्री मयंक कुमार अग्रवाल
• श्रीमती सीता पाठक
• डॉ. राजीव रंजन
• डॉ. आरती सिंह
• श्री मनीष कुमार